



बृहन्मुंबई महानगरपालिका

जाहिरात

विशेषकृत विषयातील सहयोगी प्राध्यापक संवर्गातील पदांकरिता सखटसेवा भरती

महानगरपालिका वैद्यकीय नियुद्ध समितीमार्फत बृहन्मुंबई महानगरपालिकेच्या आस्थापनेखालील ३७७०० - १७००० + १००० अधिक अनुज्ञेय भत्ते वा वेतनश्रेणीतील विशेषकृत विषयातील सहयोगी प्राध्यापक, संवर्गातील बृहन्मुंबई महानगरपालिकेच्या वैद्यकीय व दंत महाविद्यालयातील, वट-अ च्या २७ निर्याती एकूण १६२ + ३ (एकूण १६५) भिन्न पदे सखटसेवेने भरण्याकरिता जाहिरातीत नमूद करण्यात आलेल्या विहित अटीची पूर्तता करणाऱ्या इच्छुक उमेदवारांकडून दि. २५/१०/२०१९ पासून दि. ०९/१०/२०१९ पर्यंत ऑनलाईन पध्दतीने अर्ज भरणेबाबत नोंद आहे. (पोस्टाने अर्जवा कुरिअरने आलेल्या अर्जांचा विचार करण्यात येणार नाही.)

रिक्तपदांची शिक्केंत माहिती

| अ. क्र. | विभाग | अ जा | अ ज | वि जा अ | भ ज क | भ ज क | भ ज क | वि प्र | उ मा व | एस ईबी सी | ई ड क्यू एस | खुला | एकूण | निर्भरित / तदर्थ | अभिप्राय |
|-------------|---|-----------|-----------|-----------|----------|----------|----------|----------|-----------|-----------|-------------|-----------|------------|------------------|--|
| १ | बधिनीकरणशास्त्र | २ | २ | १ | १ | १ | ० | ० | ४ | २ | २ | ४ | १९ | निर्भरित | |
| २ | कान-नाक-घसाशास्त्र | ० | १ | ० | ० | ० | ० | ० | १ | १ | १ | १ | ५ | निर्भरित | |
| ३ | शल्यचिकित्साशास्त्र | २ | १ | १ | ० | ० | ० | ० | ३ | २ | १ | २ | १२ | निर्भरित | |
| ४ | औषध वैद्यकशास्त्र | २ | १ | १ | १ | ० | ० | ० | ३ | २ | १ | ३ | १४ | निर्भरित | |
| ५ | स्त्रीरोग व प्रसूतीशास्त्र | ० | १ | १ | ० | ० | ० | ० | २ | १ | १ | ० | ६ | निर्भरित | |
| ६ | नेत्ररोगचिकित्साशास्त्र | १ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १ | १ | ० | १ | ४ | निर्भरित | |
| ७ | अस्वस्थचिकित्साशास्त्र | १ | १ | १ | ० | ० | ० | ० | २ | १ | १ | २ | ९ | निर्भरित | |
| ८ | मनोचिकित्साशास्त्र | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १ | १ | ० | १ | ३ | निर्भरित | |
| ९ | बालरोगचिकित्साशास्त्र | १ | १ | १ | ० | ० | ० | ० | २ | १ | १ | २ | ९ | निर्भरित | |
| १० | क्ष-जिण्णशास्त्र | १ | १ | ० | ० | ० | ० | ० | २ | १ | १ | ० | ६ | निर्भरित | |
| ११ | त्वचा व गुणवैद्यशास्त्र | १ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १ | १ | ० | १ | ४ | निर्भरित | |
| १२ | सर्वसमन्वित्कारचिकित्साशास्त्र | १ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १ | ० | ० | १ | ३ | निर्भरित | |
| १३ | शरीरचिकित्साशास्त्र | १ | १ | १ | ० | ० | ० | ० | २ | १ | १ | २ | ९ | निर्भरित | |
| १४ | जीवशास्त्रशास्त्र | १ | १ | १ | ० | ० | ० | ० | १ | १ | १ | २ | ८ | निर्भरित | |
| १५ | न्यायवैद्यकीयशास्त्र | १ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १ | १ | ० | १ | ४ | निर्भरित | |
| १६ | सुषमजीवशास्त्र | १ | १ | १ | ० | ० | ० | ० | २ | १ | १ | ० | ७ | निर्भरित | |
| १७ | चिकित्साशास्त्र | १ | १ | १ | १ | ० | ० | ० | ३ | १ | १ | २ | ११ | निर्भरित | |
| १८ | सरोजिनीशास्त्र | १ | १ | १ | ० | ० | ० | ० | १ | १ | १ | २ | ९ | निर्भरित | |
| १९ | रोगप्रतिबंध व सामाजिक औषधनिर्माणशास्त्र | ० | १ | १ | ० | ० | ० | ० | २ | १ | १ | २ | ८ | निर्भरित | |
| २० | औषधनिर्माणशास्त्र | १ | १ | १ | ० | ० | ० | ० | १ | १ | १ | १ | ७ | निर्भरित | |
| २१ | वाक्यचारा व श्रवणशास्त्र | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १ | २ | निर्भरित | |
| २२ | दोषचिकित्साशास्त्र | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १ | २ | तदर्थ | सदर विभागाच्या विहित अर्हतांना शान्य शासनचो मान्यता प्राप्त झाली नसल्याने किंवा पदे तदर्थ तत्वावर भरण्याची अर्हता. |
| २३ | खवस्योषधचाराशास्त्र | १ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १ | २ | तदर्थ | |
| २४ | स्तनसंक्रमणशास्त्र | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १ | १ | तदर्थ | |
| २५ | मुखरोगचिकित्सा व सुषमजीवशास्त्र | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १ | १ | तदर्थ | |
| २६ | हिरडीयेग उपचार | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १ | १ | तदर्थ | |
| २७ | मुखरोगनिदान व क्ष-किरण | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १ | १ | तदर्थ | |
| एकूण | | २१ | १६ | १३ | ३ | १ | ० | ० | ३६ | २२ | १६ | ३७ | १६५ | | |

● तदर्थ तय्यार, भारखांच्या पर्यासाठी नियुद्ध झालेले ओपनर महानगरपालिकेच्या नियमित सेवेत असल्यास त्यांना प्रत्येक सहा महिन्यापूर्वी एक दिवसाच्या तंत्रिक छुट देऊन त्यांची पुनर्नियुक्ती करण्यात येईल. तथापि, उमेदवार मनास येतेत नसल्यास प्रत्येक सहा महिन्यापूर्वी एक दिवसाच्या संवाखंड देऊन पुनर्नियुक्ती करण्यात येईल.

सामाजिक आणि समांतर आरक्षण

| अ. क्र. | विभाग | सर्वसाधारण सामाजिक आरक्षण | | | | | | | | | | ३०% महिला समांतर आरक्षण | | | | | | | | | | ए.कू.ण (अ) + (ब) | दि.खं.ग | | | | |
|-------------|---|---------------------------|-----------|-----------|----------|----------|----------|----------|-----------|-----------|-------------|-------------------------|------------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|-----------|----------|------------------|-----------|-----------|-------------|-----------|------------|
| | | अ जा | अ ज | वि जा अ | भ ज क | भ ज क | भ ज क | वि प्र | उ मा व | एस ईबी सी | ई ड क्यू एस | खुला | ए.कू.ण (अ) | अ जा | अ ज | वि जा अ | भ ज क | भ ज क | भ ज क | वि प्र | उ मा व | | | एस ईबी सी | ई ड क्यू एस | खुला | ए.कू.ण (ब) |
| १ | बधिनीकरणशास्त्र | १ | १ | १ | १ | १ | ० | ० | ३ | १ | १ | २ | १३ | १ | १ | ० | ० | ० | ० | ० | १ | १ | १ | २ | ६ | २९ | १ |
| २ | कान-नाक-घसाशास्त्र | ० | १ | ० | ० | ० | ० | ० | १ | १ | १ | ५ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ५ | ० |
| ३ | शल्यचिकित्साशास्त्र | १ | १ | १ | ० | ० | ० | ० | ३ | १ | १ | २ | १० | १ | १ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १ | १ | १ | ४ | १२ | १ |
| ४ | औषध वैद्यकशास्त्र | १ | १ | १ | १ | ० | ० | ० | ३ | १ | १ | ३ | १० | १ | १ | ० | ० | ० | ० | ० | १ | १ | १ | ४ | १४ | १ | |
| ५ | स्त्रीरोग व प्रसूतीशास्त्र | ० | १ | १ | ० | ० | ० | ० | २ | १ | १ | ० | ५ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १ | ० | ० | १ | ६ | ० | |
| ६ | नेत्ररोगचिकित्साशास्त्र | १ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १ | १ | ० | १ | ४ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ४ | ० |
| ७ | अस्वस्थचिकित्साशास्त्र | १ | १ | १ | ० | ० | ० | ० | २ | १ | १ | २ | ९ | १ | १ | ० | ० | ० | ० | ० | १ | ० | ० | १ | २ | ९ | १ |
| ८ | मनोचिकित्साशास्त्र | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १ | १ | ० | १ | ३ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ३ | ० |
| ९ | बालरोगचिकित्साशास्त्र | १ | १ | १ | ० | ० | ० | ० | २ | १ | १ | २ | ९ | १ | १ | ० | ० | ० | ० | ० | १ | ० | ० | १ | २ | ९ | १ |
| १० | क्ष-किरणशास्त्र | १ | १ | ० | ० | ० | ० | ० | २ | १ | १ | ० | ५ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ५ | ० |
| ११ | त्वचा व गुणवैद्यशास्त्र | १ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १ | १ | ० | १ | ४ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ५ | ० |
| १२ | सर्वसमन्वित्कारचिकित्साशास्त्र | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १ | ० | ० | १ | ३ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ३ | ० |
| १३ | दोषचिकित्साशास्त्र | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १ | ३ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ३ | ० |
| १४ | शरीरचिकित्साशास्त्र | १ | १ | १ | ० | ० | ० | ० | २ | १ | १ | २ | ९ | १ | १ | ० | ० | ० | ० | ० | १ | ० | ० | १ | २ | ९ | १ |
| १५ | जीवशास्त्रशास्त्र | १ | १ | १ | ० | ० | ० | ० | २ | १ | १ | २ | ९ | १ | १ | ० | ० | ० | ० | ० | १ | ० | ० | १ | २ | ९ | १ |
| १६ | न्यायवैद्यकीयशास्त्र | १ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १ | १ | ० | १ | ४ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ४ | ० |
| १७ | सुषमजीवशास्त्र | १ | १ | १ | ० | ० | ० | ० | २ | १ | १ | ० | ५ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १ | ० | ० | १ | ७ | ० | |
| १८ | चिकित्साशास्त्र | १ | १ | १ | १ | ० | ० | ० | ३ | १ | १ | २ | ११ | १ | १ | ० | ० | ० | ० | ० | १ | ० | ० | १ | २ | ११ | १ |
| १९ | सरोजिनीशास्त्र | १ | १ | १ | ० | ० | ० | ० | २ | १ | १ | २ | ९ | १ | १ | ० | ० | ० | ० | ० | १ | ० | ० | १ | २ | ९ | १ |
| २० | रोगप्रतिबंध व सामाजिक औषधनिर्माणशास्त्र | ० | १ | १ | ० | ० | ० | ० | २ | १ | १ | २ | ८ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १ | ० | ० | १ | २ | ८ | १ |
| २१ | औषधनिर्माणशास्त्र | १ | १ | १ | ० | ० | ० | ० | १ | १ | १ | १ | ७ | १ | १ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ७ | १ |
| २२ | खवस्योषधचाराशास्त्र | १ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १ | २ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | २ | ० |
| २३ | वाक्यचारा व श्रवणशास्त्र | १ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १ | २ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | २ | ० |
| २४ | स्तनसंक्रमणशास्त्र | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १ | २ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | २ | ० |
| २५ | मुखरोगचिकित्सा व सुषमजीवशास्त्र | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १ | २ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | २ | ० |
| २६ | हिरडीयेग उपचार | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १ | २ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | २ | ० |
| २७ | मुखरोगनिदान व क्ष-किरण | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १ | २ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | २ | ० |
| एकूण | | १८ | १५ | १३ | ३ | १ | ० | ० | ३५ | २१ | १५ | ३७ | १६६ | ३ | १ | ० | ० | ० | ० | १९ | ३ | १ | १० | २९ | १६५ | १६ | |

निसर्ग (दिव्यांग) व्यक्तीसाठी अर्जात असलेले ११ पदे उपरोक्त तक्त्यातील पदांमध्ये समाविष्ट आहेत. तथापि, शासन निर्णय क्र. दिव्यांग २०१८/प्र.क्र.११४/१६ अ दिव्यांग २०/०५/२०१९ अन्वये दिव्यांग निदेशानुसार सुजारीत पदांमधील प्रत्येक शासनास सादर करण्यात आलेल्या आहे. सादर प्रस्तावास मान्यता प्राप्त झाल्यानंतर निसर्ग (दिव्यांग) व्यक्तीसाठी अर्जात असलेले ११ पदे भरण्याकरिता स्वतंत्रपणे जाहिरात देण्यात येईल. तोपर्यंत नि.समर्थ (दिव्यांग) व्यक्तीसाठी अर्जात असलेले ११ पदे खुल्या प्रथातील एकूण रिक्त पदांमधून रिक्त ठेवण्यात येईल.

उमेदवारांने अर्ज सादर करायच्या अंतिम दिनांक ०९/१०/२०१९

- खुल्या प्रथासाठी ३० वर्षे
- महासंवागव्यवस्था ४५ वर्षे
- बृहन्मुंबई महानगरपालिकेच्या कर्मचाऱ्यांसाठी उच्च वयोमर्यादा लागू नाही
- उच्च गुणवत्ताकारक तसेच प्रदिग् अनुभव असलेल्या उमेदवारांच्याबाबत वयोमर्यादा विहित करण्याचा विचार करण्यात येईल.
- माजी सैनिक नव्याबाबतीत शासन निर्णय क्र. आटीए-१०८८/१९९२/सीआर-२३/८९/१६-अ दि. २८ मे १९९२ च्या अनुक्रमाने वयोमर्यादा सवलत राहिल.

सर्वसाधारण सूचना -

● बृहन्मुंबई महानगरपालिकेच्या <http://portal.mcgm.gov.in> या संकेतस्थळावर सारपी संपूर्ण जाहिरात माहिती, अटी व शर्तीसह प्रसिध्द करण्यात आलेली आहे. संकेतस्थळावरील जाहिरातीला अनुसरून विहित अर्हता व अटीची पूर्ततः करणाऱ्या पात्र व इच्छुक उमेदवारांनी विहित नमुन्यातील ऑनलाईन पध्दतीने अर्ज सादर करावा. उमेदवारांनी ऑनलाईन अर्ज सादर करण्यापूर्वी संकेतस्थळावरील सूचना काळजीपूर्वक वाचाव्यात.

सही/-
डॉ. रमेश भारवाल
संचालक

(वैद्यकीय शिक्षण आणि प्रमुख रुग्णालय)

प्रीआरओ/२०१०/जाहिरात/१९-२० चतुर्थरात धुर आणि डासनाशाकळी फवारणी करून घ्या.